

फर्द आह्वान

आवृत्त फर्दपत्र, सीविका (भाग 2.4)

उपरोक्त

पूजा
समाप्त

100-1000

136

200 2019

दुसरा या कार्यवाही पर इतिहास

आवृत्त फर्दपत्र
उपरोक्त फर्दपत्र
दुसरा या कार्यवाही पर इतिहास

आवृत्त फर्दपत्र
उपरोक्त फर्दपत्र
दुसरा या कार्यवाही पर इतिहास
9/9/19

[Signature]
आवृत्त फर्दपत्र
उपरोक्त फर्दपत्र
दुसरा या कार्यवाही पर इतिहास

81/19

11/9/19 पत्रावली पेश हुई तबकीरवादी को
उपरोक्त को रिपोर्ट प्राप्त होने पर तबकीरवादी को
उक्त तबकीरवादी को उपरोक्त जांच रिपोर्ट
दिए हैं जो तबकीरवादी को जांच के तबकीरवादी के
पत्रावली पेश किया उपरोक्त तबकीरवादी को
2000 को जारी किया हुआ है जो तबकीरवादी को
उपरोक्त तबकीरवादी रिपोर्ट पत्रावली को
पत्रावली पेश किया करने तबकीरवादी को
रिपोर्ट पत्रावली तबकीरवादी रिपोर्ट को
रिपोर्ट पत्रावली तबकीरवादी रिपोर्ट को
रिपोर्ट पत्रावली तबकीरवादी रिपोर्ट को

[Signature]
आवृत्त फर्दपत्र, सीविका




राजस्थान पर राजल दर्ज करवाना चाहता है। प्रार्थी के जाति सम्बन्धी अन्य परिचय पत्र व राशन कार्ड व जाति प्रमाण पत्र आदि में राजल अंकित है जबकि राजस्व रेकॉर्ड में उक्त उपरोक्तानुसार भाट दर्ज कर दिया गया। जबकि प्रार्थी को वारसविक जाति राजल है राजल व भाट एक ही मेघवाल जाति की उपजाति है। राशन कार्ड परिचय पत्र व आधार कार्ड की प्राप्ति पेश की अन्त में ईस्तदुआ चाही कि प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तहसील तिहरी के राजस्व ग्राम श्री चैनसिंह नगर बालरवा के खसरा सख्या 2/5 रकबा 12 बीघा 02 विश्वा भूमि में प्रार्थी की जाति भाट के स्थान पर राजल दर्ज किये जाने का सादर आदेश फरमावे।

प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस तलब किया गया अप्रार्थी की ओर से जवाब इस आशय का पेश किया गया कि राजस्व ग्राम बालरवा में मौजीज व्यक्तियों से पूछताछ की गई जिसमें बताया कि जगदीश पुत्र श्री भैराराम वास्तव में मेघवाल जाति के भाट है। ग्रामीणजन इन्हे बोलचाल की भाषा में राव या राजल ही कहते हैं।


अप्रार्थी की रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात बहस सुनी गई पत्रावली का अवलोकन किया गया अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रार्थी की जाति भाट लिखी हुई है जो राजल या भाट इस सम्बन्ध में प्रमाण पत्र पेश किया गया है लेकिन उक्त प्रमाण पत्र सन 2000 का जारी किया हुआ है वर्तमान का कोई प्रमाण पत्र सलग्न नहीं है इसलिए प्रार्थी का प्रार्थना पत्र काबिल ए निरस्त के है।

आदेश

अतः प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम का सारहीन होने से खारिज किया जाता है।


रतनलाल रेगर (आर ए एस)
सहायक सहायक कलेक्टर एवं
उपसूचना अधिकारी ओसिया

निर्णय आज दिनांक 2/9/19 को सरेईजलास सुनाया गया।


रतनलाल रेगर (आर ए एस)
सहायक सहायक कलेक्टर एवं
उपसूचना अधिकारी ओसिया

